फसल : राजमा

उन्नत प्रभेद : पी.डी.आर. 14: कटनी 110-120 दिनों पर। उपज 15-20 क्विंटल/हेक्टर। बोआई 1-20 नवम्बर तक।

बोआई विधि : दूरी : 30X10 सेमी.। खुरपी अथवा हाथ हल से बोआई करें। **बीजोपचार:** बोआई से पूर्व वैविस्टीन 2.0 ग्राम/कि.ग्राम. बीज की दर से उपचार करें तथा राईजोबियम व PSB बोआई के समय बीज में लगायें।

उर्वरक : 80 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टर का व्यवहार करें। आधा भाग नेत्रजन एवं पूर्ण स्फुर एवं पोटाश की मात्रा बोआई के समय तथा शेष आधा नेत्रजन दो बार में दें पहली बार बोआई के 25 दिन बाद तथा शेष दूसरा भाग बोआई के 50-60 दिन बाद दें।

सिंचाई : आवश्यक्तानुसार समय-समय पर दें।

पौधा संरक्षण : दिसम्बर-जनवरी माह में सफेद दहिया फफूँद से बचाव हेतु प्रति लीटर पानी में वैविस्टीन का 1.5 ग्राम घोलकर छिड़काव करें। आवयकतानुसार दूसरा छिड़काव 15 दिनों बाद पुनः करें।

कटनी, दौनी एवं भंडारण : 110-115 दिनों पर फसल की कटाई। दो-तीन दिन फसल को धूप में सुखाकर डंडे से पीटकर दाना अलग कर लें। अच्छी तरह सुखाये गये दानों का भण्डारण करें।